हाइपरलूपः रफ्तार का बड़ा हल्ला

अंग प्रत्यारोपणः दाताओं का पड़ा अकाल / उच्च शिक्षण संस्थानः कब आएंगे मुखिया

28 मई, 2025 60 रुपए

इंडिया टुडे

भारत-पाकिस्तान जंग

खतरे की नई रेखा

45823/1986 REGISTRATION NO. DL(DS)-02/MP/2025-26-27 DL(ND)-11/6042/2024-25-26; LICENSED TO POST WPP NO U(C)-31/2024-26; FARIDABAD/46/2023-25 www.indiatodayhindi.com

CamScanner

लैंगवेज़ पैंथियन

भारतीय छात्रों के लिए जर्मनी ने खोले रोजगार के दरवाज़े

दिनेश आनंद

अनुज कुमार आचार्य
संस्थापक
लैंगवेज पैंथियन

शिक्षा के क्षेत्र में ऐसे व्यक्तित्व विरले ही जन्म लेते हैं जो न केवल अपनी सोच और दृष्टिकोण से बदलाव लाते हैं, बल्कि लाखों लोगों के जीवन को दिशा भी देते हैं. अनुज कुमार आचार्य एक ऐसे ... शख्स हैं, जिन्होंने भारत में जर्मन ...के क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान दिया.

... 2007 में जब लैंग्वेज पैंथियन की ...ा उनके पास केवल एक लक्ष्य था—भारत में जर्मन भाषा की पढ़ाई को एक नई पहचान देना. जर्मन भाषा और साहित्य में कला स्नातक (2004-2007) और विधि स्नातक (आपराधिक न्याय/पुलिस विज्ञान, 2009-2012) की पढ़ाई के बाद उन्होंने यह महसूस किया कि भारत में भाषा शिक्षा को पेशेवर और सुदृढ़ बनाने की जरूरत है. उन्होंने अपने भाषाई जुनून को विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण और व्यावसायिक अनुशासन के साथ जोड़ते हुए एक ऐसी प्रणाली विकसित की जो छात्रों को केवल ज्ञान नहीं देती, बल्कि उन्हें दक्षता और आत्मविश्वास से भर देती है.

लैंग्वेज पैंथियन: एक संस्थान, एक आंदोलन

लैंग्वेज पैंथियन 18 वर्षों में सिर्फ एक संस्थान नहीं रहा, बल्कि यह जर्मन भाषा शिक्षा के क्षेत्र में एक आंदोलन बन गया है. आज यह भारत का सबसे बड़ा जर्मन भाषा संस्थान बन चुका है जिसमें 41 देशों के 22,000 से अधिक छात्र पढ़ चुके हैं. यहां 100 से अधिक अनुभवी और कुशल फैकल्टी विद्यार्थियों को ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यमों से प्रशिक्षित करते हैं.

इस संस्थान की सबसे बड़ी विशेषता है इसका छात्र-केंद्रित दृष्टिकोण. अनुज आचार्य का मानना है कि सीखने की प्रक्रिया तभी सफल हो सकती है जब छात्र केवल पाठ्यक्रम को न दोहराएं बल्कि उसे आत्मसात करें. यही कारण है कि उन्होंने जर्मन भाषा सिखाने के लिए फास्ट-ट्रैक पाठ्यक्रम और अनूठी परीक्षा प्रणाली जैसी अभिनव शिक्षण विधियों को विकसित किया, जिनके जरिये छात्र A1 से लेकर C2 स्तर तक प्रभावी ढंग से और अपेक्षाकृत तेजी से पहुंच सकते हैं.

लैंग्वेज पैंथियन को जर्मनी के सरकारी विश्वविद्यालयों से मान्यता प्राप्त है, जो इसके उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षा मानकों का प्रमाण है. यही नहीं, इस संस्थान ने टीसीएस, एमेजॉन, कॉन्सेंट्रिक्स जैसी वैश्विक कंपनियों के साथ कैंपस प्लेसमेंट की भी व्यवस्था शुरू की. यहां पढ़े कई छात्र आज दुनिया के विभिन्न देशों में जर्मन भाषा विशेषज्ञ के तौर पर मोटी सैलरी पर कार्यरत हैं.

अकेडमिक्स से परे—एक मार्गदर्शक की भूमिका

अनुज आचार्य की भूमिका केवल एक शिक्षक की नहीं है, बल्कि वे एक मार्गदर्शक भी हैं. जर्मनी में पढ़ाई या नौकरी करने के इच्छुक छात्रों के लिए वे नि:शुल्क सलाहकार सेवाएं भी प्रदान करते हैं. वे न केवल विश्वविद्यालयों में प्रवेश की प्रक्रिया में मदद करते हैं, बल्कि छात्रों को वीजा, डॉक्युमेंटेशन और अन्य प्रशासनिक प्रक्रियाओं में भी गाइड करते हैं. इस सेवा का उद्देश्य छात्रों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाना है.

उनकी शिक्षण शैली को लेकर छात्र विशेष रूप से उत्साहित रहते हैं. एक छात्र ने कहा, "अनुज सर के पढ़ाने का तरीका और व्याकरण को समझाने के टिप्स कक्षा में सर्वश्रेष्ठ हैं. उनकी कक्षाओं में भाग लेने के बाद कभी कोई संदेह नहीं रहता." यह प्रशंसा उनके उस समर्पण का प्रमाण है जिसमें वे दिन के 16 घंटे तक भी काम करने से नहीं हिचकिचाते.

लैंग्वेज पैंथियन भारत का संभवत: एकमात्र ऐसा संस्थान है जहां विदेशी शिक्षक भी पढ़ाते हैं, जिससे छात्रों को जर्मन भाषा और संस्कृति का प्रत्यक्ष अनुभव मिलता है. यही वजह है कि यहां के छात्र विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं.

अनुज आचार्य को आज भारत में शिक्षा के क्षेत्र में एक आइकॉन, एक विजनरी और एक पायनियर के रूप में देखा जाता है. उनकी उपलब्धियों को देखते हुए राष्ट्रीय पत्रिका 'द वीक' ने जुलाई 2025 में उन्हें सम्मानित करने का फैसला किया है. यह केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं बल्कि पूरे शैक्षिक समुदाय के लिए एक गर्व की बात है.

अनुज कुमार आचार्य की कहानी यह दर्शाती है कि

CamScanner

•लेंगवेज पैंथियन संभवतः भारत का एकमात्र ऐसा संस्थान है जहाँ विदेशी शिक्षक भी छात्र -छात्राओं को पढ़ाते हैं

•विगत 18 वर्षों के दौरान इस संस्थान से पढ़े हजारों स्टूडेंट्स आज दूसरे मुल्को में सम्मानजनक वेतन पर काम कर रहें हैं

•अनुज आचार्य न केवल इस संस्था के फाउंडर हैं बल्कि भारत की शिक्षा जगत के आइकॉन, विज़नरी और पायनियर भी हैं।

...जगत में इनकी उपलब्धियों को देखते हुए राष्ट्रीय पत्रिका ... द्वारा इन्हें इसी साल जुलाई में सम्मानित करने का ...भी किया गया है

मैंने बहुत सारे लोगों से सुना और जाना है की लेंगवेज पैं... संस्थापक अनुज आच... भाषा के न केवल बेह... बल्कि युवाओं के रोजग... में इनके महत्वपूर्ण योगदान से इंकार नहीं किया जा सकता

आनंद कुमार
फाउंडर
सुपर 30

जब ..., दूरदर्शिता और कठिन परिश्रम मिलते हैं, तो किसी भी क्षेत्र में क्रांति संभव है. उन्होंने यह साबित कर दिया है कि भाषा सिखाना केवल एक पेशा नहीं, बल्कि यह एक मिशन हो सकता है—ऐसा मिशन जो जीवन बदल दे. आज जब भारत वैश्विक मंच पर अपनी उपस्थिति को और मजबूत कर रहा है, ऐसे में अनुज आचार्य जैसे शिक्षाविद् हमारी सबसे बड़ी ताकत हैं.

उनका यह प्रयास न केवल जर्मन भाषा सिखाने तक सीमित है, बल्कि यह एक ऐसे शिक्षण मॉडल की ओर इशारा करता है जिसमें हर छात्र को न केवल एक भाषा, बल्कि एक नई सोच, एक नया आत्मविश्वास और एक नई दिशा मिलती है.

प्रिया
यूनिवर्सिटी ऑफ़ बॉन, जर्मनी

लेंगवेज पैंथियन से जर्मन की पढ़ाई के बाद इस वक्त मैं यूनिवर्सिटी ऑफ़ बॉन की छात्रा हूँ। यहाँ जर्मन भाषी भारतियों के लिए रोजगार के काफी अवसर हैं

सत्यजीत नायक
एचओएफ यूनिवर्सिटी ऑफ़ एप्लाइड साईनसेज, जर्मनी

भारतीय छात्रों के लिए अब जर्मनी पहुंचना काफी आसान हो चूका है। यहाँ रोजगार की कोई कमी नहीं लेकिन संबंधित छात्रों को जर्मन भाषा की जानकारी अनिवार्य है और लेंगवेज पैंथियन सबसे बेहतर विकल्प है

रसलीन ग्रोवर
म्यूनिख तकनीकी यूनिवर्सिटी

आज मैं मेउनिच के टेकनीसैचे यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रही हूँ तो इसका श्रेय मेरे माता -पिता और अनुज सर को जाता है। भारतीय छात्र -छात्राओं के लिए इस देश ने रोजगार के दरवाज़े खोल रखें हैं

कोर्स से सम्बंधित जानकारी और एडमिशन के लिए संपर्क करें
+91-7669371114

CamScanner